

सच्चाई और ईमानदारी की राह कठिन हो सकती है, लेकिन अंत में वही सबसे बड़ा सम्मान और विश्वास दिलाती है।

परिवहन विशेष समाचार पत्र को जिस तरह आप लोगों के सहयोग लगातार पिछले 3 वर्षों से प्राप्त हुआ और दिन प्रतिदिन आपकी आवाज को आगे पहुंचाने में आपका सहयोगी बना उसको देखते हुए परिवहन विशेष समाचार पत्र के प्रबंधक मंडल और ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज लिमिटेड कंपनी द्वारा जनहित, जनकल्याण जनसूचना और जानकारी को और तेजी से भारत सरकार और राज्य सरकारों के साथ सभी राजनीतिक संगठनों को सबसे पहले पहुंचाने के उद्देश्य से अक्टूबर माह से जनता की आवाज का अपना चैनल "परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन" शुरू करने का निर्णय लिया है।

जल्द आपके बीच में....

परिवहन विशेष
न्यूज दूरदर्शनबड़ी खुशखबरी! अब आपकी आवाज गुंजेगी पूरी दुनिया में
परिवहन विशेष समाचार पत्र के सफल 3 वर्षों के बाद अब नई क्रांति

आशा करते हैं जैसे आपने आज के इस दौर में "परिवहन विशेष समाचार पत्रों" को इतना आगे ले कर जाने में सहयोग दिया उसी प्रकार हमारे द्वारा आपकी आवाज बनने के लिए शुरू किए जा रहे "परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन" को विश्व का सबसे बड़ा चैनल बनवाएंगे।

संजय बाठला
मुख्य संपादक

परिवहन विशेष - एक्सक्लूसिव इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट

परिवर्तन स्कीम किसके लिए - वाहन निर्माताओं को फायदा पहुंचाने या वायु गुणवत्ता के लिए? बड़ा चिंतनीय विषय

नोडल
अधिकारी
DM, दबाव
DTO का,
और परेशान
वाहन

मालिक - क्या यह पारदर्शी नीति है या निर्माताओं के लिए बाजार ?

- योजना क्या है - परिवर्तन स्कीम की जमीनी हकीकत दिल्ली में वायु गुणवत्ता सुधार के नाम पर पुराने व्यावसायिक डीजल/पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक में परिवर्तन/स्क्रेप करने की स्कीम। सरकार का दावा - AQI 380+ से राहत लेकिन सवाल - क्या दिल्ली की हवा सिर्फ छोटे ट्रांसपोर्टों के वाहन से खराब हो रही है ? बड़े उद्योग, निर्माण भूल, पराली पर चुपकी क्यों ?
- सबसे बड़ा सवाल - नोडल अधिकारी DM क्यों ? यह पहली ऐसी स्कीम है जहाँ:

- संबंध: वाहन मालिकों और परिवहन विभाग का
- नोडल अधिकारी: परिवहन आयुक्त नहीं, बल्कि जिले के सभी क्षेत्रीय DM
- * यह दर्शाता है कि परिवहन विभाग को ही अपनी स्कीम पर भरोसा नहीं ? या
- * DM के माध्यम से राजस्व/दंड वसूली का लक्ष्य ?
- * मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत वाहन संबंधी शक्तियाँ परिवहन विभाग में निहित हैं, DM को नोडल बनाना प्रशासनिक अतिक्रमण है।
- 3. प्रचार की जगह दबाव - DTO की भूमिका पर सवाल अगर स्कीम इतनी आकर्षक और वाहन मालिकों के हित में है तो:
- सरकार जोर-शोर से प्रचार क्यों नहीं कर रही ?
- क्यों क्षेत्रीय DTO द्वारा नोटिस, चालान, सीज का भय दिखाकर दबाव बनाया जा रहा है ?
- छुट्टी के दिन भी वाहन मालिकों को

PARIVAHAN VISHESH
INVESTIGATIVE ANALYSIS REPORT

OCTOBER 14, 2025 • DELHI EDITION

Parivartan Scheme Kiske Liye

- Vahan Nirmatao ko Fayda ya Vayu Gunvatta ke Liye?

Bada Chintaniya Vishay

CONFLICT OF INTEREST • POLICY UNDER SCRUTINY • PUBLIC RIGHTS AT STAKE

ELECTRIC VEHICLE PUSH

NEW EVS SUBSIDIZED BY GOVT.

- Promoted under Parivartan Scheme for Cleaner Air
- Manufacturers offered incentives & subsidies
- Faster registration & approvals promised

MANUFACTURER BENEFIT ?

- Vehicle makers see ₹2000+ Cr orders
- Alleged lobbying for EV procurement

DIESEL / PETROL COMMERCIAL VEHICLES

NATIONAL GOVT. UNDER PRESSURE

- Owners forced to phase out diesel vehicles
- Heavy compliance costs, livelihood threatened
- DTO cracking down with fines & notices

AIR QUALITY CONCERN

- Delhi AQI: 380 - VERY POOR
- Pollution continues despite ban

WHO IS IN CHARGE NOW?

DM AS NODAL OFFICER
Instead of Transport Department, District Magistrate designated as nodal officer for Parivartan Scheme implementation. Transport Dept sidelined?

DTO PRESSURE ON VEHICLE OWNERS
District Transport Officers issuing rapid notices to commercial vehicle owners. Threat of penalties, seizure if not registered under scheme immediately.

CHIEF SECRETARY ORDER
"JALDI SE JALDI DARJ KARNA" - Internal order directs fast registration, bypassing usual process. Gazetted Notification No. PAR/2025/33 dated 12 Oct 2025 released.

CRITICAL QUESTIONS RAISED

- CONSTITUTIONAL RIGHTS?**
Article 19(1)(g) - Right to Trade & Livelihood? Are vehicle owners being denied due process?
- AIR QUALITY VS ECONOMIC IMPACT?**
Scheme aims to improve air quality, but are solutions practical for small transporters?
- JUDICIAL ORDERS PENDING?**
WHO BENEFITS? Manufacturers profit while thousands of drivers risk livelihood. Public caught in middle.

WHAT EXPERTS SAY:
"Policy needs transparency & stakeholder consultation before implementation." — Policy Analyst

INVESTIGATIVE REPORT | Parivartan Scheme analysis Documents reviewed: Gazetted Notification, CS Order, NGO Reports

Sanjay Kumar Bathla | Chief Editor | Parivahan Vishesh
RNI DELHIN/2023/86499 • www.parivahanvishesh.in • editor@parivahanvishesh.in

बुलाकर रजल्दी दर्ज करवाओर क्यों कहा जा रहा है ?
हितकारी योजना में दबाव नहीं, स्वेच्छा होती है।
4. मुख्य सचिव का आदेश - रजल्दी से जल्द दर्ज करवाओर आपके द्वारा बताया गया आदेश - राजपत्रित अधिसूचना के बाद मुख्य सचिव स्तर से निर्देश कि छुट्टी पर भी वाहन मालिकों को समझाओ और स्कीम में दर्ज करवाओ।
- क्या यह प्रशासनिक जल्दबाजी निर्माताओं को ₹2000+ करोड़ के ऑर्डर दिलाने के लिए है ?
- क्या राजपत्रित अधिसूचना No. PAR/2025/33 में हितधारकों से परामर्श किया गया ?
- TOLWA जैसे संगठनों को सुना गया ?
5. संवैधानिक और न्यायिक विश्लेषण
- संविधान अनुच्छेद 19(1)(g) : हर नागरिक को व्यवसाय/आजीविका का अधिकार। क्या जबरन EV में धकेलना इस अधिकार का हनन नहीं है ?

- अनुच्छेद 21: आजीविका जीवन का हिस्सा है (ओल्गा टेलिस केस)। 2010 में 15 साल पुराने वाहनों पर प्रतिबंध जैसा यदि सीधा आदेश देना है तो सरकार स्पष्ट आदेश क्यों नहीं देती ?
- न्यायिक आदेश: NGT और सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता पर आदेश दिए, लेकिन साथ ही पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था की बात भी कही। केवल प्रतिबंध समाधान नहीं।
- प्राकृतिक न्याय: बिना सुनवाई, बिना पर्याप्त सब्सिडी/चार्जिंग इन्फ्रा के दबाव, क्या यह न्यायसंगत है ?
6. हल जोरो - अधिकारी भी परेशान, मालिक भी परेशान
नतीजा - DTO टारगेट पूरा करने के लिए परेशान, वाहन मालिक रोजी-रोटी के लिए परेशान, और हल शून्य।
न चार्जिंग स्टेशन पर्याप्त, न बैटरी की गारंटी, न फाइनेंस की सुविधा।
निष्कर्ष - परिवहन विशेष की मांग सरकार को स्पष्ट करना चाहिए:
1. परिवर्तन स्कीम से वायु गुणवत्ता में

कितना % सुधार होगा - श्वेत पत्र जारी हो।
2. यदि लक्ष्य 100% इलेक्ट्रिक है तो 2010 की तरह सीधा आदेश लाए - रजिस्ट्री में व्यावसायिक गतिविधि में केवल EV - जिससे सभी अपना भविष्य तय कर सकें, रोज-रोज के दबाव से मुक्ति मिले।
3. नोडल अधिकारी परिवहन विभाग को ही बनाया जाए, DM की भूमिका केवल कानून व्यवस्था तक सीमित रहे।
4. वाहन निर्माताओं को दी जा रही सब्सिडी/प्रोत्साहन का ऑडिट हो - कहीं यह निर्माता-हित तो नहीं ?
> सत्य: वायु गुणवत्ता जरूरी है, लेकिन हजारों चालक-मालिकों की आजीविका की कीमत पर नहीं। नीति में पारदर्शिता, हितधारक परामर्श और व्यावहारिक पुनर्वास जरूरी है।
रिपोर्ट: संजय कुमार बाठला, मुख्य संपादक, परिवहन विशेष
<http://www.newsparivahan.com>

परिवहन विशेष - ब्रेकिंग न्यूज - कोलकाता से बड़ी खबर: मिथुन चक्रवर्ती को कैबिनेट मंत्री का दर्जा - पश्चिम बंगाल सरकार के सलाहकार नियुक्त

सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों में 'डिस्क्री डांसर' से 'नीति-निर्माता' तक का सुफर रिपोर्ट: संजय कुमार बाठला, मुख्य संपादक, परिवहन विशेष

स्रोत: पश्चिम बंगाल सरकार की आधिकारिक अधिसूचना दिनांक 6 अक्टूबर 2026

मुख्य तथ्य - अधिसूचना से:

- अधिसूचना विवरण:
 - संख्या: No. 1878-PAR(IAS)/5C-71/2026
 - विभाग: Department of Personnel & Administrative Reforms, IAS Cell, NABANNA, 7th Floor, Room No. 708, 325 Sarat Chatterjee Road, Howrah-711102
 - दिनांक: 6th October, 2026
 - जारीकर्ता: Manoj Kumar Agarwal, Chief Secretary to the Govt. of West Bengal - By order of the Governor
- नियुक्ति का आदेश:
 - > ₹The Governor is pleased to appoint Shri



Mithun Chakraborty as Advisor to the Government of West Bengal in the rank of Cabinet Minister in the Information & Cultural

Affairs Department, with an immediate effect and until further order.”
यह अधिसूचना सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जनहित में जारी की गई है।

- राजनीतिक पृष्ठभूमि:
 - मिथुन चक्रवर्ती 2021 में भाजपा में शामिल हुए थे और 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए व्यापक प्रचार किया था
 - नई सरकार में मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी हैं
 - यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू है और अगले आदेश तक जारी रहेगी
- पहली सिफारिशें क्या होंगी?
 - मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मिथुन दा की पहली सिफारिश राज्य में शूट होने वाली फिल्मों पर 30% सब्सिडी की रही है, जिसे सरकार ने स्वीकार भी कर लिया है। इसके अलावा सुंदरबन में टूरिज्म हब और फुटबॉल अकादमी का विजन भी चर्चा में है।

- काँपी किस-किस को भेजी गई:
 - माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार, प्रधान महालेखाकार, सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, डिवीजनल कमिश्नर, गृह विभाग, सूचना संस्कृति विभाग, राज्यपाल के सचिव सहित 17 कार्यालयों को।
 - प्रतिलिपि पर हस्ताक्षर Dr. Rajat Nanda, Senior Special Secretary के हैं।
 - निष्कर्ष: बंगाल के 'महागुरु' को सांस्कृतिक सलाहकार बनाकर भाजपा सरकार ने बंगाली अस्मिता, टॉलीवुड और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का संदेश दिया है। यह नियुक्ति केवल फिल्म नहीं, बल्कि पर्यटन, खेल और बंगाल की ब्रांडिंग से जुड़ी है।

GOVERNMENT OF WEST BENGAL
Department of Personnel & Administrative Reforms
J.A.S. Cell,
NABANNA, 7th Floor, Room No. 708,
325, Sarat Chatterjee Road, Howrah-711102.

No. 1878-PAR(IAS)/5C-71/2026
Copy forwarded for information and necessary action to Shri Mithun Chakraborty.

NOTIFICATION

The Governor is pleased to appoint Shri Mithun Chakraborty as Advisor to the Government of West Bengal in the rank of Cabinet Minister in the Information & Cultural Affairs Department, with an immediate effect and until further order.

This notification is being issued with the approval of the Competent Authority in the interest of public service.

By order of the Governor,

Sd/-
(Manoj Kumar Agarwal)
Chief Secretary to the Govt. of West Bengal

No. 1878/PAR(IAS)/5C-71/2026
Copy forwarded for information and necessary action to Shri Mithun Chakraborty.

Sd/-
(Manoj Kumar Agarwal)
Chief Secretary to the Govt. of West Bengal

No. 1878/(17)-PAR(IAS)/5C-71/2026
Copy forwarded for information and necessary action to:
1) The Advisor to the Hon'ble Chief Minister, Govt. of West Bengal;
2) The Principal Accountant General (J&ES), W.B./Accountant General (Audit-I), West Bengal;
3) The Additional Chief Secretary/Principal Secretary/Secretary, Department;
4) The Divisional Commissioner,
5) The Principal Secretary, Home & Hill Affairs Department;
6) The Secretary, Information & Cultural Affairs Department;
7) The Secretary to the Hon'ble Governor, West Bengal;
8) The Sr. Special Secretary/Special Secretary/Joint Secretary/Deputy Secretary, IAS Cell/Vigilance Cell AIS-Pension Cell/Service Records & Accounts Cell, PARH Department;
9) The Sr. Special Secretary, Home & Hill Affairs Department, Co-ordination Branch, Govt. of West Bengal;
10) The Pay & Accounts Officer, Kolkata Pay & Accounts Office-III/II, Kolkata;
11) The Private Secretary to the Hon'ble Chief Minister, Govt. of West Bengal;
12) The Private Secretary to the Hon'ble Minister of State, Information & Cultural Affairs Department Govt. of West Bengal;
13) The OSD to Chief Secretary & Under Secretary, Home & Hill Affairs Department;
14) The DDO,
15) The Sr. PS to the Chief Secretary;
16) 17. Cell of the Deptt. of P. and A.R. for uploading it in the website;
17) Guard File;

Sd/-
(Dr. Rajat Nanda)
Senior Special Secretary to the Govt. of West Bengal



पं योगेश पौराणिक

ज्योतिषाचार्य (इंजी)

परिवहन विशेष समाचार पत्र दैनिक

जन्म कुंडली के चतुर्थ भाव से व्यक्ति के जीवन में कितना सुख का होगा उसका विचार किया जाता है। इस भाव से भूमि, भवन, वाहन आदि का भी विचार किया जाता है कि जातक के पास स्वयं का घर या वाहन होगा या नहीं। कुंडली के चौथे भाव से हृदय और छाती से संबंधित रोग के विषय में भी ज्ञात होता है। चौथा भाव मित्रता का भी है जातक के कितने मित्र होंगे कैसे होंगे उसका भी पता इसी भाव में बैठे ग्रहों और उनके स्वभाव अनुसार पता चलता है। चतुर्थ भाव जनता का भी है जीवन में व्यक्ति के साथ लोग जुड़ेंगे अथवा नहीं इसका विचार भी चौथे भाव से किया जाता है। काल पुरुष की कुंडली के चतुर्थ भाव में कर्क राशि आती है जिसके स्वामी चन्द्र है और इस भाव के कारक ग्रह बुध और चंद्र दोनों को माना गया है।

कुंडली के चौथे भाव में प्रत्येक ग्रह का प्रभाव

सूर्य : चतुर्थ भाव में बैठा सूर्य जातक के जीवन में सुख की कमी लाता है। लेकिन जातक को माता से कुछ धन लाभ अवश्य प्राप्त होता है किंतु माता के स्वास्थ्य संबंधित कुछ परेशानियां होती हैं।

जातक को पैतृक संपत्ति से लाभ मिलता है। सामाजिक कार्य क्षेत्र में भी सफलता मिलती है हालांकि इनके मित्र होंगे लेकिन संभवतः कम लगाव रहेगा। सरकार या किसी सरकारी व्यक्ति से लाभ मिलता रहता है। यहां बैठा सूर्य हृदय रोग देता है।

चन्द्र : चंद्रमा चौथे भाव का प्रमुख कारक ग्रह होने के कारण काफी अच्छा प्रभाव देता है जातक के पास स्वयं की भूमि, भवन वाहन होता है। कुशल मित्र होते हैं और सामाजिक दायरा भी काफी बड़ा होता है। इन्हें माता से अधिक लगाव होता है और माता के ही आशीर्वाद से यह जीवन में तरक्की करते हैं। लेकिन यदि चंद्रमा पीड़ित हो तो मन अशांत और सुख में कमी लाता है।

मंगल: चतुर्थ भाव में मंगल जातक को काफी ऊर्जावान और साहसी बनाता है। साथ ही मंगल दोष भी देता है लेकिन जातक अपने संघर्ष से एक से अधिक भूमि, भवन और वाहन का सुख प्राप्त करता है। यहां बैठा मंगल रक्त विकार देता है। जातक को पूर्वार्ध में संघर्ष करवाकर उत्तरार्ध में सुख प्रदान करता है। जातक का हृदय कुछ कठोर हो सकता है और माता से कुछ अलगाव या दूरी बना सकता है तथा माता की सेहत में भी कमी लाता है। जातक यदि गुड़ का सेवन करे तो मंगल अच्छा प्रभाव देता है।

दशम पर सातवीं दृष्टि होने से जातक कार्यक्षेत्र में खूब नाम कमाता है।

कुंडली में भूमि,भवन और सुख का भाव है चतुर्थ भाव



बुध: चतुर्थ भाव में बुध को भी कारक ग्रह माना गया है। यहां बैठा बुध जातक को बुद्धिमान और चतुर बनाता है। जातक कुशल व्यापारी होता है। लेखन में उसकी रुचि होती है और मधुर वाणी से ही अपने काम बनाने में कुशल होता है। यहां बैठा बुध जातक को सभी प्रकार के सुख प्रदान करता है। जातक जनता के साथ अच्छे संबंध रखता है और धनी होता है।

हालांकि बुध यदि अशुभ प्रभाव वाला हुआ तो जीवन में उतार चढ़ाव लाता है।

गुरु: चतुर्थ का गुरु जातक को उच्च शिक्षा प्रदान करता है। व्यक्ति को माता से अच्छे संस्कार प्राप्त होते हैं। ऐसा जातक धार्मिक और सामाजिक होता है। समाज से मान, सम्मान और यश प्राप्त करता है। इनका घर आलीशान और सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है। इनका हृदय शुद्ध और ईश्वरीय शक्ति से संपन्न होता है। इन्हें पहले से ही किसी भी घटना का आभास हो जाता है। इनके मित्र भी असाधारण प्रतिभा वाले होते हैं।

शुक्र : चतुर्थ का शुक्र जातक को कलात्मक और शांतप्रिय बनाता है। जातक अपनी कला और बुद्धि से जीवन में सब कुछ प्राप्त करने में सक्षम होता है। यहां बैठा शुक्र जातक को शुद्ध हृदय और सामाजिक नेतृत्व की क्षमता देता है। ऐसा जातक लक्जरी जीवन जीने की चाहत रखता है और प्राप्त भी करता है। इनके पास महंगी महंगी वस्तुएं या गिफ्ट अवश्य होते हैं। माता से लगाव थोड़ा कम हो सकता है लेकिन ख्याल रखने वाले होते हैं। सामाजिक दायरा कुछ बड़ा हो सकता है। ये लोगों की मदद करने से नहीं चूकते। लेकिन इनके लिए भोग ही रोग का कारण बनता है।

शनि: यहां बैठा शनि जातक को अनुशासित और गम्भीर स्वभाव का बनाता है।

जातक को पुराना मकान अथवा पैतृक संपत्ति से लाभ प्राप्त होता है। इनके पास प्रॉपर्टी, वाहन आदि तो अधिक हो सकते हैं लेकिन सुख में कमी होती है। जातक का बचपन बुरे वक्त में बीतता है किंतु अंतिम चरण में सुख प्राप्त होता है। यहां बैठा शनि जातक की माता के स्वास्थ्य में कमी लाता है, मित्र भी समय पर साथ नहीं देते। किंतु सरकार या सरकारी क्षेत्र से लाभ मिलता है।

राहु: चतुर्थ का राहु यदि शुभ है तो अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला होता है जातक गुप्त विद्या तंत्र मंत्र पर भरोसा करने वाला, विदेश में सुख प्राप्त करता है। ऐसा जातक जन्मस्थान से जितना दूर होता है उतनी तरक्की करता है। विदेश से खूब धन लाभ होता है और वही पर आलीशान मकान और वाहन का सुख प्राप्त करता है। इनके छाती में कोई निशान होता है और हृदय स्वभावगत कुछ दूषित होता है। नकारात्मक राहु होने से माता से कुछ अनबन रहती है और राहु कभी-कभी खूब भागदौड़ या ट्रांसफर करवाता है।

केतु: केतु चौथे भाव में जातक के मन में शांति और आध्यात्मिक सुख लाता है। ऐसा जातक धन की जगह मन की शांति को ही सुख मानता है। वो जीवन में वैराग्य को ही चुनता है और एकाकी जीवन जीने वाला चुमक्कड़ स्वभाव का होता है। प्रकृति की संपदा ही इनकी संपदा है वसुधैव कुटुम्बक का प्रभाव इनके जीवन में अधिक देखने को मिलता है यहां बैठा केतु यदि नकारात्मक है तो

जातक परिवार से दूरी बनाकर जंगल या वन में विचरण करने वाला सन्यासी जीवन जीने वाला होता है। इनका गुप्त ज्ञान और आध्यात्मिक शक्ति अधिक प्रभावशाली होती है इनके पास बैठने से ईश्वरीय शक्ति का आभास अवश्य होता है।

तीसरी आंख: चर्मचक्षु से अंतर्चक्षु तक की यात्रा।

हरिओम बाजपेई'

संसार को देखने के लिए

प्रकृति ने प्रत्येक मनुष्य को दो आंखें प्रदान की हैं। ये बाह्य नेत्र या चर्मचक्षु हमें रंगों, आकारों और भौतिक जगत की सीमाओं से परिचित कराते हैं। परंतु क्या जो केवल इन आंखों से दिखाई देता है, सत्य वहीं तक सीमित है? वास्तव में दृश्यमान जगत के पार भी एक गूढ़ संसार है, जिसे देखने के लिए ईश्वर ने मनुष्य के भीतर एक और दृष्टि छिपाकर रखी है भारतीय चिंतन परंपरा में त्रिपुरारी भगवान शिव के 'त्रिनेत्र' का विचार केवल पौराणिक प्रतीक मात्र नहीं है, बल्कि वह मानव चेतना की उच्चतम अवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। वह गुप्त ज्योति जो हर मनुष्य के भीतर विद्यमान है, वस्तुतः विवेक, अनुभव और संवेदना की दीप्ति है। जब बाह्य आंखें संसार के भ्रम, प्रलोभन और नश्वर आवरणों तक सीमित रह जाती हैं, तब यह अंतर्दृष्टि जागृत होकर सत्य और असत्य का वास्तविक बोध कराती है।



भौतिक आंखें दृश्य को देखती हैं, परंतु मन की आंख उस दृश्य के पीछे छिपे भाव और मर्म को महसूस करती है। इसे देखने के लिए किसी शारीरिक प्रयास की नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों, आत्ममंथन और गहन संवेदना की आवश्यकता होती है। जब कोई व्यक्ति परिस्थितियों के केवल बाहरी स्वरूप को न देखकर अपने अंतर की पुकार सुनता है, तब यही विवेक-रूपी

तीसरी आंख उसका उचित मार्गदर्शन करती है। तृतीय नेत्र का जागृत होना अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के दिव्य प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। जब तक मनुष्य केवल बाह्य नेत्रों के भरोसे जीता है, वह केवल दिखाई देने वाले छलावे में बंधा रहता है। परंतु जिस क्षण वह अनुभव के धरातल पर उतरकर अपने मन के चक्षु खोलता है, उसे जीवन का वास्तविक सौंदर्य और सत्य स्पष्ट

दिखाई देने लगता है। अतः, आवश्यकता इस बात की है कि हम बाह्य जगत की चकाचौंध से थोड़ा ठहरकर अपने भीतर छिपी उस 'त्रिपुरारी ज्योति' को पहचानें, क्योंकि सच्ची दृष्टि वही है जो केवल देखने का काम न करे, बल्कि सत्य को महसूस करने का सामर्थ्य भी दे।



Ms. Aanchal Agarwal

working as PRT in one of the renowned school of Delhi

Done PGDM in IT & HR, M.Com, B.Ed

कौवे के रूप में दिखने वाले कागभुषंडी जी प्रभु श्रीराम के बहुत बड़े भक्त थे और इन्हें यह वरदान प्राप्त था कि वो समय के बाहर जा सकते थे, यानी पूर्व में क्या घटित हुआ और भविष्य में क्या घटित होगा, वो सब देख सकते थे। वो समय के बनने-बिगड़ने की स्थिति को देख सकते थे। इसलिए उन्होंने महाभारत 11 बार और रामायण 16 बार देखा था, वो भी वाल्मीकि जी द्वारा रामायण और वेदव्यास जी द्वारा महाभारत लिखे जाने से पहले, क्योंकि ये अपने पूर्व



पितृपक्ष और काकभुशुण्डि

का सम्बन्ध क्या है?

जन्म में कौवा थे और सबसे पहले राम कथा भगवान शंकर ने माता पार्वती जी को सुनाई थी, तो इन्होंने भी सुन लिया था। मृत्यु के उपरांत दूसरा जन्म इनका अयोध्यापुरी में एक शूद्र परिवार में हुआ था। ये परम शिव भक्त थे, लेकिन अभिमानवश अन्य देवताओं का उपहास उड़ाते थे। इसी बात से क्षुब्ध होकर लोमश ऋषि ने इन्हें श्राप दे दिया था, जिससे ये फिर कौवा बन गए

थे और इसके बाद इन्होंने पूरा जीवन कौवे के रूप में ही जिया। जब रावण के पुत्र मेघनाथ ने श्रीराम को नागपाश से बांध दिया था, तब देवर्षि नारद के कहने पर गिद्धराज गरुड़ ने नागपाश के समस्त नागों को खाकर भगवान श्रीराम को नागपाश के बंधन से मुक्त कर दिया था। भगवान श्रीराम के इस तरह नागपाश में बंध जाने पर श्रीराम के

भगवान होने पर गरुड़ को संदेह हो गया। गरुड़ का संदेह दूर करने के लिए देवर्षि नारद उन्हें ब्रह्माजी के पास भेज देते हैं। ब्रह्माजी उनको शंकरजी के पास भेज देते हैं तथा भगवान शंकर ने भी गरुड़ को उनका संदेह मिटाने के लिए कागभुषंडी जी के पास भेज दिया। अंत में कागभुषंडी जी ने भगवान श्रीराम के चरित्र की पवित्र कथा सुनाकर गरुड़ के संदेह को दूर किया था।



आपके दिन की शुरुआत,

पारुल भटनागर के साथ

विशेषज्ञ एस्ट्रो न्यूमेरो वास्तु कंसल्टेंट

परिवहन विशेष News



धन और रिश्तों का दैनिक अंक ज्योतिष भविष्यफल

जानिए दिन की ऊर्जा • संभालिए धन • मजबूत बनाइए रिस्ते

08 अक्टूबर 2026 | दिन का अंक: 1 — नई शुरुआत, नेतृत्व, आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और पहल

मूलांक 1

धन व करियर: 1 और 1 की दोहरी ऊर्जा पहल, नेतृत्व और नई शुरुआत की इच्छा को मजबूत करती है। प्रस्ताव, आवेदन या स्वतंत्र निर्णय आगे बढ़ सकता है, लेकिन प्रतिबद्धता से पहले आं जरूर जांचें।

रिश्ते: मजबूत स्वतंत्र ऊर्जा मतभेद के प्रति धैर्य कम कर सकती है। बातचीत सुधारने की पहल करें, लेकिन केवल अपनी बात को अंतिम न मानें।

सावधानी: अहंकार में निर्णय, अचानक खर्च और अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: जांच के बाद धन से जुड़ा एक साहसी कदम लें और रिश्तों में सचेत होकर अधिक सुनें।

मूलांक 2

धन व करियर: आज की ऊर्जा आपको सामान्य से अधिक निर्णायक बनने को कहती है। बातचीत में अपनी बात रखें और अपने योगदान को कम न आँकें, लेकिन सहयोग बनाए रखें।

रिश्ते: आपको आश्वासन की जरूरत महसूस हो सकती है, पर आज आत्मविश्वास बढ़ाना जरूरी है। सामने वाले से अनुमान लगाने की अपेक्षा करने के बजाय अपनी जरूरत स्पष्ट करें।

सावधानी: निर्भरता, हिचकिचाहट और किसी दृढ़ स्वर को व्यक्तिगत लेने से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: एक स्वतंत्र निर्णय लें और संवाद को नरम रखें।

मूलांक 3

धन व करियर: नए विचार, प्रस्तुति और नेटवर्किंग उपयोगी अवसर खोल सकते हैं। अपने सबसे मजबूत विचार के साथ आगे बढ़ें और क्षमता से अधिक वादा न करें।

रिश्ते: आपका आकर्षण अच्छा रहेगा, लेकिन अधिक ध्यान चाहना या सामने वाले की बात काटना तनाव पैदा कर सकता है।

सावधानी: दिखावे वाले खर्च और लापरवाह वादों से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: रचनात्मकता से कुछ उपयोगी शुरू करें और किसी अपने की सच्ची प्रशंसा करें।

मूलांक 4

धन व करियर: आज नई व्यावहारिक योजना शुरू करने की ऊर्जा है। बजट, व्यवस्था या अनुशासित कार्य दिनचर्या की शुरुआत दीर्घकालिक लाभ दे सकती है।

रिश्ते: आप नियम और स्थिरता पसंद करते हैं, जबकि आज व्यक्तिगत स्वतंत्रता की ऊर्जा मजबूत है। स्पष्ट रहें, लेकिन कठोर न बनें।

सावधानी: जिद और केवल दिनचर्या बदलने के कारण नए तरीके को नकारने से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: एक व्यवस्थित सुधार शुरू करें और रिश्ते में एक छोटा समझौता स्वीकार करें।

मूलांक 5

धन व करियर: नया संपर्क, विचार या अवसर तेजी से सामने आ सकता है। उसे देखें, लेकिन उत्साह को जांच-पड़ताल का विकल्प न बनने दें, खासकर खर्च और प्रतिबद्धताओं में।

रिश्ते: स्वतंत्रता और सहजता की इच्छा रहेगी। अपनी योजनाएं बताएं ताकि आपकी स्वतंत्रता को उदासीनता न समझा जाए।

सावधानी: अचानक खरीदारी, जल्दबाजी की प्रतिबद्धता और बिना बताए योजना बदलने से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: अपनी गतिशील ऊर्जा को एक उद्देश्यपूर्ण नई शुरुआत में लगाएं।

मूलांक 6

धन व करियर: व्यक्तिगत या पारिवारिक आर्थिक निर्णय में आपको नेतृत्व करना पड़ सकता है। जिम्मेदारी लें, लेकिन हर व्यक्ति का हिस्सा स्वयं न उठाएं।

रिश्ते: अपनी जरूरत ईमानदारी से बताने पर रिश्ते में नई शुरुआत संभव है। त्याग करके बाद में नाराज होने से बेहतर है अपनापन और स्पष्टता।

सावधानी: अपनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च या देखभाल के नाम पर नियंत्रण से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: एक प्रेमपूर्ण सीमा और एक व्यावहारिक आर्थिक प्राथमिकता तय करें।

मूलांक 7

धन व करियर: जिस विचार पर आप सोच रहे थे उसे अब कार्य में बदला जा सकता है। शोध जरूरी है, लेकिन पर्याप्त जानकारी मिलने के बाद भी लगातार विश्लेषण में न अटकें।

रिश्ते: आप निजी रहना पसंद कर सकते हैं, जबकि आज स्पष्टता जरूरी है। चुप्पी को समझ लेने की अपेक्षा करने के बजाय जरूरी बात कहें।

सावधानी: अधिक सोचने, अलग-थलग होने और जरूरी निर्णय टालने से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: एक स्पष्ट समझ को एक ठोस कार्य में बदलें।

मूलांक 8

धन व करियर: नेतृत्व की ऊर्जा करियर, व्यवसाय और आर्थिक निर्णयों को समर्थन दे सकती है। महत्वपूर्ण विषय अपने हाथ में लें, लेकिन अधिकार का अनुशासित और नैतिक उपयोग करें।

रिश्ते: दो मजबूत इच्छाशक्तियां टकरा सकती हैं यदि समझ से अधिक नियंत्रण महत्वपूर्ण हो जाए। सामने वाले की स्वतंत्रता का सम्मान करें।

सावधानी: शक्ति संघर्ष, जोखिमपूर्ण आर्थिक कदम और प्रतिष्ठा साबित करने वाले निर्णय से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: काम में दृढ़ नेतृत्व करें, लेकिन घर में नियंत्रण के बजाय सम्मान चुनें।

मूलांक 9

धन व करियर: कोई पूरा हुआ विषय नई आर्थिक या व्यावसायिक दिशा के लिए जगह बना सकता है। पुराने तनाव को नए अवसर में ले जाने के बजाय सावधानी से शुरुआत करें।

रिश्ते: पुरानी बहस दोहराने के बजाय अलग प्रतिक्रिया चुनने का अच्छा दिन है। क्षमा के साथ स्पष्ट सीमाएं भी रखी जा सकती हैं।

सावधानी: भावना में खर्च और केवल अंतिम बात कहने के लिए पुराने विवाद खोलने से बचें।

दिन बेहतर बनाएँ: एक पुराना अधूरा चक्र पूरा करें और भविष्य की ओर एक सकारात्मक कदम लें।

कॉल / क्वार्टरसेप: 8750075550 | वेबसाइट: www.vediccodes.in | @vediccodes

Vediccodes - Your vibrations... our solutions

कागभुषंडी और पितृपक्ष

विकसित भारत संकल्प सभा (ज्योति यात्रा) का झज्जर में हुआ भव्य आयोजन

- सेवा की ज्योति से विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी नई रोशनी : मोहन लाल, - सेवा ज्योति यात्रा में शामिल प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्रहित को प्राथमिकता का संकल्प लेकर निरन्तर आगे बढ़े

- हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चैयरमैन मोहन लाल कौशिक बोलें- 2047 का विकसित भारत हर नागरिक के संकल्प और सहभागिता से होगा साकार

- पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने सेवा को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संबोधन का बड़ी स्क्रीन के माध्यम से हुआ सीधा प्रसारण

- झज्जर स्थित राजकीय पीजी नेहरू कॉलेज में जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर, 07 अक्टूबर

सेवा की ज्योति, राष्ट्र निर्माण का संकल्प और विकसित भारत का सपना— इन तीनों भावनाओं का संगम बुधवार को झज्जर के राजकीय पीजी नेहरू कॉलेज में देखने को मिला। यहां आयोजित जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने एकजुट होकर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चैयरमैन मोहन लाल कौशिक बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संबोधन का बड़ी स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण भी किया गया। कॉलेज परिसर में डीसी वर्षा खंगवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि मोहन लाल कौशिक व अन्य अतिथिगण ने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम उपरांत सेवा ज्योति यात्रा देश भक्ति गीतों के साथ क्रिकेट स्टेडियम तक लाया गया, जहां सभी मेहमानों ने संयुक्त रूप से ज्योति को स्थापित किया।

सेवा ज्योति यात्रा राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम

कार्यक्रम में हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चैयरमैन मुख्य अतिथि मोहन लाल कौशिक ने कहा कि विकसित

भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का प्रत्येक नागरिक इसे अपना व्यक्तिगत संकल्प मानकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी करेगा। श्री कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में जनकल्याण की भावना को निरन्तर गति मिल रही है। हमने सेवा को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया है, यही भावना हमें राष्ट्रीय भावना की ओर प्रेरित करती है।

हर गांव, समाज और प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे सेवा की ज्योति

मुख्य अतिथि ने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद की मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी सेवा है। सेवा ज्योति यात्रा इसी सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि सेवा की यह ज्योति केवल एक यात्रा तक सीमित नहीं है बल्कि हर गांव, समाज और प्रत्येक व्यक्ति तक सेवा की ज्योति पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा में शामिल प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्रहित को प्राथमिकता का संकल्प लेते हुए आगे बढ़े।



मुख्य अतिथि ने कहा कि झज्जर वीरों, किसानों, खिलाड़ियों की धरती है। देश और प्रदेश के विकास में यहां के लोगों ने अपना अमूल्य योगदान दिया है और आज भी युवा सेना, खेलों और अन्य क्षेत्रों में प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की भागीदारी, किसानों की मेहनत और समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग आवश्यक है। आज लिया गया संकल्प आने वाली पीढ़ियों के भारत की दिशा तय करेगा।

भारत की संस्कृति में सदियों से रचा-बसा सेवा का भाव : ओमप्रकाश धनखड़

पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि भारत की संस्कृति में सेवा का भाव सदियों से रचा-बसा है। सेवा संकल्प अभियान इसी परंपरा को आधुनिक भारत के विकास से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसा भारत बनाना है जहां हर वर्ग को विकास के समान अवसर मिलें और प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए।

धनखड़ ने कहा कि 2047 का भारत कैसा होगा, यह आज के हमारे संकल्प और कर्म तय करेंगे। युवाओं को विशेष रूप से आगे आकर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित

करनी चाहिए। उन्होंने सेवा ज्योति को जनसेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक बताते हुए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने सामूहिक रूप से 'विकसित भारत @2047' का संकल्प लिया।

हर वर्ग को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना ही उद्देश्य : डीसी

डीसी वर्षा खंगवाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेभर में 17 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना और सेवा एवं जनभागीदारी की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के समापन पर सेवा ज्योति को क्रिकेट स्टेडियम के मुख्य द्वार पर स्थापित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष

विकास वाल्मिकी, जिला प्रभारी हरविंद्र कोहली, जिला परिषद चैयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, भाजपा नेता दिनेश कौशिक एवं संजय कबलाना, भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष आदित्य धनखड़, नगर परिषद झज्जर के चैयरमैन जिले सिंह सैनी, बहादुरगढ़ नगरपरिषद चैयरपर्सन सरोज राठी, नगर पालिका बेरी के चैयरमैन देवेन्द्र कादयान, मार्किट कमिटी बेरी के चैयरमैन राजेन्द्र शर्मा, बहादुरगढ़ मार्किट कमिटी चैयरमैन विनोद कौशिक, पूर्व चैयरपर्सन सुनीता चौहान, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सोमवती जाखड़, कमलेश अत्री, रेखादाव, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अहलावत, मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला, पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, दिनेश गोयल, मनीष बंसल, आनंद सागर, दयाकिशन जांगड़ा, धर्मवीर सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे वहीं जिला प्रशासन की ओर से एसडीसी जगनिवास, एसडीएम झज्जर रवि मीणा, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, जिला परिषद के सीईओ मनीष फोगट, सीटीएम ज़्नु सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

युवाओं की नवाचारी सोच से बनेगा विकसित भारत : शेखावत



जिला संयोजक दिनेश शेखावत ने युवाओं को नवाचार, उद्यमिता और जनसेवा के लिए किया प्रेरित गांव दूबलधन स्थित राजकीय महाविद्यालय में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' कार्यक्रम आयोजित

बेरी (झज्जर), 07 अक्टूबर

जिलाभर में डीसी वर्षा खंगवाल के मार्गदर्शन में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को गांव दूबलधन स्थित राजकीय महाविद्यालय में 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के जिला संयोजक दिनेश शेखावत बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. कर्मबीर ने मुख्य अतिथि दिनेश शेखावत का स्वागत किया और छात्रों को नवाचार अभियान का अधिकतम लाभ

उठाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि दिनेश शेखावत ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि युवाओं की नवाचारी सोच और जनसेवा की भावना से होगा।

उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले और समाज की समस्याओं का समाधान देने वाले बनें।

शेखावत ने कहा कि युवाओं को समस्याओं पर चर्चा करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने चाहिए।

उन्होंने बताया कि सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' कार्यक्रम युवाओं को समाज और शासन व्यवस्था से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों के समाधान तलाशने का मंच प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्टार्टअप इंडिया, मेक इन

इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहलों से युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने आसपास की समस्याओं को पहचान कर उनके समाधान के लिए नवाचार करने का आह्वान किया।

जिला उद्योग केंद्र के उद्योग विस्तार अधिकारी मोहन लाल ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप, स्वरोजगार और उद्यमिता विकास की जानकारी दी।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशामुक्त और जागरूक भारत के निर्माण का संकल्प भी दिलाया गया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर विधानसभा बेरी के सह संयोजक रविंद्र छात्रा, यादवीर सैनी, अनिल दलाल, संस्थापक लोनवाला सतबीर चौहान, मोहन कुमार, डॉ रणदीप सिंह, नोडल अधिकारी डॉ राजेश कुमार, अमित कुमार, रेणु कुमारी, डॉ सुमन देवी, डॉ सरला देवी सहित कॉलेज का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेवा को राष्ट्र निर्माण से जोड़कर विकसित भारत के संकल्प को साकार करें : ओमप्रकाश धनखड़

याकूबपुर रिलायंस मेट सिटी में पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने सेवा ज्योति चौक का किया शिलान्यास

सेवा संकल्प अभियान के तहत याकूबपुर स्थित रिलायंस मेट सिटी पहुंची सेवा ज्योति यात्रा

झज्जर, 07 अक्टूबर।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चल रही सेवा ज्योति यात्रा बुधवार शाम याकूबपुर स्थित रिलायंस मेट सिटी पहुंची, जहां पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ और डीसी वर्षा खंगवाल ने यात्रा का स्वागत किया और ज्योति मसाल को चौक पर स्थापित किया। इस दौरान पूर्व मंत्री ने मेट सिटी सेक्टर आठ में सेवा ज्योति चौक का पूजा अर्चना कर नमो सेवा ज्योति चौक का शिलान्यास किया।

पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने मुख्य रूप से उपस्थित लोगों को सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री श्री धनखड़ ने कहा कि भारत की संस्कृति में सेवा का भाव सदियों से रचा-बसा है। सेवा केवल जरूरतमंद की सहायता करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी सेवा है। सेवा संकल्प अभियान इसी परंपरा को आधुनिक भारत के विकास से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 का भारत कैसा होगा, यह आज के हमारे संकल्प और कर्म तय करेंगे। विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि



ऐसा भारत बनाना है जहां हर वर्ग को विकास के समान अवसर मिलें और प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए।

पूर्व मंत्री श्री धनखड़ ने कहा कि सेवा ज्योति जनसेवा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सहभागिता की भावना का प्रतीक है। इस ज्योति का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को यह संदेश देना है कि राष्ट्र निर्माण में उसकी अपनी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों से सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

हर वर्ग को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना सेवा ज्योति यात्रा का उद्देश्य : डीसी*

डीसी वर्षा खंगवाल ने पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ का स्वागत करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलाभर में 17 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करते हुए समाज के सभी वर्गों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

*यह गणमान्य व्यक्ति रहे

मौजूद*

इस अवसर पर रिलायंस मेट सिटी के निदेशक बल्लभ गोयल, सीईओ मनीष जायसवाल, जिला परिषद चैयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना, भाजपा नेता संजय कबलाना, आनंद सागर, मनीष बंसल, दयाकिशन जांगड़ा, श्यामसिलाना, संदीप हसनपुर, दीपक , विनोद बाढ़सा, अमित डावला, अजय व सुशांत धनखड़ रईया, जनभागीदारी की भावना को मजबूत करते हुए समाज के सभी वर्गों को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

*यह गणमान्य व्यक्ति रहे

सेवा सेतु कैंप: ग्रामीणों को एक ही जगह मिल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी

गांव बुपनिया में आयोजित सेवा सेतु कैम्प में विभिन्न विभागों ने लगाए स्टॉल, एसडीएम विशाल ने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए किया प्रेरित

परिवहन विशेष न्यूज

बादली, 07 अक्टूबर।

उपमंडल बादली क्षेत्र में डीसी वर्षा खंगवाल के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकारी सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में बुधवार को गांव बुपनिया में एक दिवसीय सेवा सेतु कैंप आयोजित किया गया। एसडीएम विशाल और अनिल सरपंच शाहपुर ने कैंप का अवलोकन किया।

सरकारी सेवाओं को आमजन तक सहज, सरल और सुगम तरीके से पहुंचाना ही सेवा सेतु कैम्प का उद्देश्य

एसडीएम विशाल ने कहा कि सेवा सेतु कैंप का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन



तक सहज, सरल और सुगम तरीके से पहुंचाना है। ऐसे कैंपों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर मिल रही है, जिससे पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने में

सुविधा हो रही है। कैंप में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को विभागीय योजनाओं, सरकारी सेवाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की



जानकारी दी। साथ ही, पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया तथा उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया

गया।

इस अवसर पर नायब तहसीलदार अरविंद, एससीपीओ मुकेश सचिव औमपकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एसआईआर-2026 : लंबित नोटिसों के निपटान के लिए 9 अक्टूबर तक लगेंगे विशेष शिविर : डीसी

प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ लगाएंगे विशेष शिविर, घर-घर जाकर भी प्राप्त करेंगे जरूरी दस्तावेज

डीसी वर्षा खंगवाल के निर्देश-निर्वाचक पंजीयन अधिकारी व सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी करेंगे शिविरों का निरीक्षण

शिविर में अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ के खिलाफ हिदायतों के अनुसार होगी कार्रवाई

झज्जर, 07 अक्टूबर

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खंगवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के दौरान लंबित नोटिसों के निपटान के लिए जिला के प्रत्येक मतदान केंद्र पर 8 व 9 अक्टूबर को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में संबंधित बीएलओ लंबित नोटिसों के निपटान की प्रक्रिया पूरी करेंगे।

डीसी वर्षा खंगवाल ने बताया



कि भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। आयोग के निर्देशानुसार जिन बीएलओ के पास नोटिसों का निपटान लंबित है, वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर विशेष शिविर लगाएंगे। इसके साथ ही बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करते हुए लंबित नोटिसों का नियमानुसार निपटान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि 9 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विशेष शिविरों की प्रभावी निगरानी भी

सुनिश्चित की जाएगी। संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) तथा सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (एईआरओ) अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों पर आयोजित शिविरों का निरीक्षण करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बीएलओ द्वारा सौंपे गए दायित्व का पूरी निष्ठा एवं गंभीरता से निर्वहन किया जा रहा है। डीसी ने निर्वाचन से जुड़े सभी अधिकारियों को आयोग की हिदायतों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अनुपस्थित बीएलओ पर होगी नियमानुसार कार्रवाई

जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खंगवाल ने स्पष्ट किया कि विशेष शिविरों के दौरान सभी संबंधित बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। निर्धारित तिथियों पर यदि कोई बीएलओ अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भारत निर्वाचन आयोग को हिदायतों के अनुसार कार्रवाई करते हुए इसकी सूचना जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों को अपने अधीन कार्यरत अधिकारियों एवं बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर लंबित नोटिसों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

दो राष्ट्रगान, एक जुनून: फुटबॉल की जीवनभर की यादे



डॉ. विजय गर्ग



फुटबॉल की सुंदरता उसकी अनिशिचतता में भी है। कागज पर कोई टीम कितनी ही मजबूत क्यों न दिखाई दे, अंतिम परिणाम मैदान पर ही तय होता है। कुछ ही सेकंड में गोलकीपर नायक बन सकता है। कोई युवा स्थानापन्न खिलाड़ी पूरे मैच की दिशा बदल सकता है। एक सटीक पास गोल का कारण बन सकता है, जबकि एक छोटी-सी गलती इतिहास बदल सकती है।

फुटबॉल केवल 90 मिनट का खेल नहीं है। यह एक भावना है, एक साझा भाषा है और ऐसी यादों का संसार है, जो पूरी जिंदगी हमारे साथ रह सकता है। एक फुटबॉल स्टेडियम में हजारों मुकाबले खेले जा सकते हैं, लेकिन कुछ शांति इतिहास, प्रतिद्वंद्विता, राष्ट्रीय गौरव और खेल के प्रति मानवीय प्रेम के कारण हमेशा के लिए यादगार बन जाती हैं। जब दो राष्ट्रीय टीमों एक-दूसरे के सामने खेलने के लिए मैदान में उतरती हैं, तो स्टेडियम का वातावरण बेहद भावुक हो जाता है। खिलाड़ी कतार में खड़े होते हैं, दर्शक शांत हो जाते हैं और पहला राष्ट्रगान शुरू होता है। हजारों आवाजें एक साथ उठती हैं। फिर दूसरा राष्ट्रगान गुंजता है। कुछ क्षणों के लिए ऐसा लगता है जैसे एक ही छत के नीचे दो राष्ट्रों की पहचान, दो इतिहास और दो यात्राएँ एक साथ उपस्थित हों। लेकिन जैसे ही मैच शुरू होता है, ये अंतर एक बड़े उत्सव का हिस्सा बन जाते हैं। खिलाड़ी अलग-अलग रंगों की जर्सी पहनते हैं और अलग-अलग देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन मैदान एक ही होता है, नियम एक ही होते हैं और फुटबॉल के प्रति जुनून भी एक ही होता है। इसलिए फुटबॉल स्टेडियम केवल खेल का मैदान नहीं है। वह यादों का एक जीवंत संग्रहालय है। उसकी सीटों ने कई पीढ़ियों के समर्थकों को देखा है। उसके मैदान ने शानदार गोल, अप्रत्याशित जीत, दर्दनाक हार और आशाधर साहस के क्षणों को अपने भीतर समेटा है।

किसी बच्चे द्वारा अपने माता-पिता के साथ देखा गया मैच कई दशक बाद भी उसकी स्मृतियों में जीवित रह सकता है, भले ही उसे मैच का स्कोर याद न रहे। समर्थकों के लिए फुटबॉल अक्सर पारिवारिक परंपराओं से जुड़ा होता है। पिता अपने बच्चों को मैच दिखाने ले जाते हैं, दादा-दादी महान खिलाड़ियों की कहानियाँ सुनाते हैं और मित्र महत्वपूर्ण मुकाबले साथ बैठकर देखते हैं। जर्सियाँ संभालकर रखी जाती हैं, टिकट यादगार बन जाते हैं और पुरानी तस्वीरें अनमोल धरोहर बन जाती हैं। कोई विशेष गोल, रोमांचक पेनल्टी या अंतिम क्षणों में मिली जीत वर्षों तक परिवार की कहानी बनी रह सकती है। फुटबॉल की सुंदरता उसकी अनिशिचतता में भी है। कागज पर कोई टीम कितनी ही मजबूत क्यों न दिखाई दे, अंतिम परिणाम मैदान पर ही तय होता है। कुछ ही सेकंड में गोलकीपर नायक बन सकता है। कोई युवा स्थानापन्न खिलाड़ी पूरे मैच की दिशा बदल सकता है। एक सटीक पास गोल का कारण बन सकता है, जबकि एक छोटी-सी गलती इतिहास बदल सकती है। लेकिन फुटबॉल की यादें हमेशा जीत से जुड़ी नहीं होतीं। कई बार हार से जुड़ी यादें अधिक गहरी होती हैं। कोई समर्थक हारे हुए फाइनल के बाद के आँसू, छूटी हुई पेनल्टी के बाद की खामोशी या अंतिम सीटी तक संघर्ष करते खिलाड़ियों का साहस जीवनभर याद रख सकता है। ऐसे क्षण हमें सिखाते हैं कि खेल केवल जीत का नाम नहीं है; यह

गरिमा, संघर्शीलता और निराशा को स्वीकार करने की क्षमता भी सिखाता है। मैच से पहले गुंजने वाले दो राष्ट्रगान एक महत्वपूर्ण संदेश भी देते हैं। फुटबॉल स्वस्थ प्रतिद्वंद्विता पैदा कर सकता है, लेकिन इसके लिए आपसी सम्मान को समाप्त करना जरूरी नहीं है। विरोधी टीम के समर्थक अपने खिलाड़ियों का पूरे उत्साह से समर्थन कर सकते हैं, फिर भी वे विपक्षी खिलाड़ी के शानदार गोल, बेहतरीन बचाव या खेल भावना की सराहना कर सकते हैं। आज की तेजी से विभाजित होती दुनिया में खेल लोगों को जोड़ने के अवसर प्रदान कर सकता है। 90 मिनट के लिए अलग-अलग भाषाएँ बोलने वाले और अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए लोग एक ही रोमांच साझा करते हैं। वे साथ खुशी मनाते हैं, साथ चिंतित होते हैं और खेल के अप्रत्याशित नाटक को साथ अनुभव करते हैं। तकनीक ने फुटबॉल देखने के तरीके को भी बदल दिया है। आज मैच मोबाइल फोन, कंप्यूटर और बड़ी स्क्रीन पर देखे जा सकते हैं। रिप्ले वरुंत उपलब्ध होते हैं, आँकड़े कुछ ही सेकंड में सामने आ जाते हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से अलग-अलग महाद्वीपों के समर्थक हर पल पर चर्चा कर सकते हैं। फिर भी स्टेडियम में बैठकर मैच देखने का अनुभव अनोखा है। हजारों समर्थकों की सामूहिक आवाज को स्क्रीन पूरी तरह दोहरा नहीं सकती। पेनल्टी से पहले अचानक छा जाने वाली खामोशी, गोल होते ही उमड़ पड़ने वाली खुशी

और हार के बाद की नीरवता—ये सभी अनुभव व्यक्तिगत स्मृतियों का हिस्सा बन जाते हैं। शायद यही कारण है कि एक महान फुटबॉल मुकाबला जीवनभर हमारे साथ रह सकता है। हमें मैच की सही तारीख या अंतिम स्कोर याद न रहे, लेकिन हमें याद रहता है कि हम कहाँ थे, हमारे साथ कौन था, उस समय हमने क्या महसूस किया और स्टेडियम कैसा सुनाई दे रहा था। दो राष्ट्रगान दो राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। एक फुटबॉल उन्हें जोड़ता है। उन दोनों राष्ट्रगानों के बीच और अंतिम सीटी तक की यात्रा प्रतिस्पर्धा, साहस, भावनाओं और मानवीय जुड़ाव की कहानी बन जाती है। अंततः फुटबॉल हमें याद दिलाता है कि प्रतिद्वंद्विता का अर्थ नफरत नहीं होता और अलग-अलग पहचान एकता में बाधा नहीं बनती। दो टीमों एक ही सुंदर खेल को साझा करते हुए पूरी ताकत से मुकाबला कर सकती हैं। एक ही स्टेडियम में दो राष्ट्रगान गुंज सकते हैं और हजारों लोग एक साझा जुनून का उत्सव मना सकते हैं। एक स्टेडियम में अनेक मैच खेले जा सकते हैं, दो राष्ट्रगान अलग-अलग राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, लेकिन फुटबॉल से पैदा होने वाली यादें सबकी साझा हो सकती हैं। यही इस खूबसूरत खेल का शाश्वत जादू है। डॉ. विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य। शैक्षिक स्तंभकार। प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद, मलोट,



संपादकीय

चिंतन-मनन



IS INDIA NEXT ? - साउथ एशिया के पैटर्न से भारत को क्या सीखना चाहिए ?

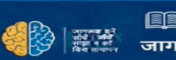
सोचो, समझो, फिर भरोसा करो - नैरेटिव वॉरफेयर को पहचानो



- CRITICAL THINKING CHECK
 - स्रोत की जाँच करो?
 - तथ्य संश्लेषित है?
 - भावनाओं को प्रभावित रहा है?
 - संश्लेषण/एंगेजमेंट?
- मीम्स
- इन्फ्लुएंसर्स
- एल्गोरिदम

हर वायरल ट्रेंड ऑर्गेनिक नहीं होता, हर क्रांति जनहित में नहीं होती

क्रिटिकल थिंकिंग ही सबसे बड़ा हथियार है - इतिहास से सीखें



जनहित में जारी • सूचना साक्षरता • परिवहन विशेष

जागरूक बनें | सोचें | जाँचें | साझा न करें बिना सत्यापन

श्रीलंका से बांग्लादेश तक एक जैसा पैटर्न – जब नैरेटिव ही हथियार बन जाए, तब क्रिटिकल थिंकिंग ही बचाव है प्रस्तुतकर्ता संजय कुमार बाठला प्रधान संपादक परिवहन विशेष

तथ्यात्मक पृष्ठभूमि:

- पिछले कुछ वर्षों में साउथ एशिया में एक चिंताजनक समानता देखी गई –
- श्रीलंका (2022): आर्थिक संकट, राष्ट्रपति को देश छोड़ना पड़ा
- बांग्लादेश (2024): राजनीतिक उथल-पुथल, शोख हसीना को देश छोड़ना पड़ा
- पाकिस्तान: प्रधानमंत्री जेल में
- नेपाल: यूथ सड़कों पर, संसद पर हमला
- म्यांमार: संस्थागत ढांचा ध्वस्त
- ये सभी अलग देश, अलग सरकारें हैं, पर तर्क है कि हर जगह पहले युवाओं को सिस्टम के खिलाफ खड़ा करने का एक नैरेटिव बना।
- मुख्य बिंदु – विश्लेषण:**
- 1. एंटी-एस्टेब्लिशमेंट: इकोसिस्टम कैसे बनता है? जैसे-जैसे कुछ क्रिएटर्स के फॉलोअर्स

बढ़ते हैं, उनके आसपास पूरा इकोसिस्टम खड़ा हो जाता है – पॉलिटिकल इन्फ्लुएंसर्स, मीम पेज, सेलेब्रिटी जर्नलिस्ट, आउटरेज क्रिएटर्स। सब मिलकर एक ही नैरेटिव रशेरी में कुछ नहीं बचा, सिस्टम खत्म, फ्यूचर खत्मरू को एम्प्लिफाई करते हैं।

2. समस्या पर भावना, समाधान पर सन्नता? दूसरा बड़ा सवाल – क्या ये इकोसिस्टम समाधान भी देता है? लेखक का कहना है कि बेरोजगारी पर इमोशनल वीडियो तो मिलेंगे, पर इकोनॉमिक रीफॉर्म्स पर गंभीर चर्चा नहीं। शिक्षा पर आक्रोश मिलेगा, पर पॉलिसी रोडमैप नहीं। अंत में हर मुद्दे का निष्कर्ष सिर्फ रसकार हटाओर पर आकर रुक जाता है।

3. नैरेटिव वॉरफेयर – आधुनिक युद्ध का नया मोर्चा किसी भी स्थिर देश को बाहर से हराना मुश्किल है, इसलिए मॉडर्न वॉरफेयर अब बॉर्डर पर नहीं, नैरेटिव्स पर लड़ी जाती है। मीम्स हथियार बनते हैं, इन्फ्लुएंसर पॉलिटिकल एसेट्स बनते हैं, एल्गोरिदम साइकोलॉजिकल बैटलग्राउंड बन जाते हैं। मकसद – ट्रस्ट तोड़ो, समाज को बांटो, देश को भीतर से अस्थिर बनाओ।

संपादकीय निष्कर्ष – जनहित में क्या करें? यह कहना कि हर विरोध गलत है, लोकतंत्र के खिलाफ है। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है। इतिहास यह भी बताता है कि कई बार जेनरुइन पब्लिक एंगर को वैचारिक समूह, राजनीतिक अवसरवादी और बाहरी नैरेटिव हाईजैक कर लेते हैं। इसलिए आज सबसे जरूरी स्किल है – क्रिटिकल थिंकिंग। जनता के लिए 4 सवाल – किसी भी वायरल कैंपेन को शेयर करने से पहले:

- स्रोत क्या है? क्या यह सत्यापित है?
- क्या यह सिर्फ भावनाएं भड़का रहा है या तथ्य और समाधान भी दे रहा है?
- क्या इसका मकसद जागरूक करना है या सिर्फ संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करना?
- क्या डिस्ट्रैक्शन को ही क्रांति बताया जा रहा है?

इतिहास बार-बार बताता है कि जब युवाओं को यह विश्वास दिला दिया जाए कि संस्थाओं को तोड़ना ही स्वतंत्रता है, तब तक खेल खेला जा चुका होता है। इसलिए सोचो, समझो, जांचो, फिर भरोसा करो।

सुंदरता से परे: गरिमा और शालीनता की शक्ति

डॉ. विजय गर्ग

सुंदरता को अक्सर बाहरी रूप-रंग से जोड़ा जाता है। हम सुंदर चेहरा, आकर्षक मुस्कान, सुरुचिपूर्ण वस्त्र, मनमोहक प्राकृतिक दृश्य या कला की सुंदर कृति देखकर प्रभावित होते हैं। लेकिन वास्तविक सुंदरता उससे कहीं अधिक गहरी होती है, जितनी आँखों से दिखाई देती है। यह दया, विनम्रता, करुणा, गरिमा और दूसरों के साथ हमारे व्यवहार में दिखाई देती है। इसी गहरी गुणवत्ता को शालीनता और गरिमा कहा जा सकता है। शालीनता को एक वाक्य में परिभाषित करना कठिन है। यह एक शांत गुण है, जो हमारे व्यवहार, शब्दों और कार्यों में दिखाई देता है। एक शालीन व्यक्ति को अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता नहीं होती। उसकी उपस्थिति ही दूसरों में सहजता, सम्मान और सकारात्मकता पैदा कर सकती है। शारीरिक सुंदरता उम्र, परिस्थितियों और समय के साथ बदल सकती है। लेकिन शालीनता अनुभव के साथ और अधिक मजबूत हो सकती है। किसी युवा व्यक्ति में शारीरिक आकर्षण हो सकता है, लेकिन वह बुजुर्ग व्यक्ति जिसने जीवनभर दया, बुद्धिमत्ता और गरिमा के साथ जीवन जिया हो, उसके व्यक्तित्व में सुंदरता का एक अलग और अधिक गहरा रूप दिखाई दे सकता है। दैनिक जीवन में शालीनता छोटे-छोटे कार्यों में दिखाई देती है। किसी परेशान व्यक्ति से प्रेमपूर्वक बात करना, बच्चे के साथ धैर्य रखना, बुजुर्ग का सम्मान करना, विवाद के बाद क्षमा

करना या बिना किसी स्वाधिक किसी की सहायता करना—ये सभी शालीनता के उदाहरण हैं। ये कार्य शायद कभी समाचार पत्रों या सोशल मीडिया की सुविधियों न बनें, लेकिन वे लोगों के दिलों पर स्थायी प्रभाव छोड़ सकते हैं। कठिन परिस्थितियों में शालीनता विशेष रूप से दिखाई देती है। जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, तब विनम्र बने होती है जब हमें आलोचना, असफलता, मतभेद या निराशा का सामना करना पड़ता है। क्रोध के स्थान पर धैर्य, बदले के स्थान पर गरिमा और घृणा के स्थान पर समझदारी से प्रतिक्रिया देना आंतरिक शक्ति की मांग करता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि शालीन व्यक्ति कभी क्रोधित नहीं होता या कभी असहमति व्यक्त नहीं करता। बल्कि शालीनता व्यक्ति को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने और सोच-समझकर प्रतिक्रिया देने की क्षमता देती है। यह हमें दूसरों का अपमान किए बिना असहमति व्यक्त करना और जानबूझकर किसी को चोट पहुँचाए बिना अपने अधिकारों की रक्षा करना सिखाती है। समाज अक्सर बाहरी रूप-रंग को अत्यधिक महत्व देता है। विज्ञापन, सोशल मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति कई बार सुंदरता की अवास्तविक धारणाएँ प्रस्तुत करते हैं। लोग अपने चेहरे, शरीर, कपड़ों, जीवनशैली और उपलब्धियों की तुलना दूसरों द्वारा प्रस्तुत की गई सजी-संवरी तस्वीरों से करने लगते हैं। ऐसी तुलना हमें यह भूलने पर मजबूर कर सकती है कि किसी व्यक्ति का वास्तविक मूल्य केवल उसके रूप-रंग से निर्धारित नहीं होता।

समाज अक्सर बाहरी रूप-रंग को अत्यधिक महत्व देता है। विज्ञापन, सोशल मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति कई बार सुंदरता की अवास्तविक धारणाएँ प्रस्तुत करते हैं। लोग अपने चेहरे, शरीर, कपड़ों, जीवनशैली और उपलब्धियों की तुलना दूसरों द्वारा प्रस्तुत की गई सजी-संवरी तस्वीरों से करने लगते हैं। ऐसी तुलना हमें यह भूलने पर मजबूर कर सकती है कि किसी व्यक्ति का वास्तविक मूल्य केवल उसके रूप-रंग से निर्धारित नहीं होता।

सच्ची सुंदरता कोई प्रतियोगिता नहीं है। यदि कोई व्यक्ति दूसरे से अधिक आकर्षक दिखाई देता है तो इसका अर्थ यह नहीं कि उसका मानवीय मूल्य भी अधिक है। इसी प्रकार किसी व्यक्ति की गरिमा धन, वस्त्र, सामाजिक स्थिति या लोकप्रियता पर निर्भर नहीं करती। शालीनता हमें याद दिलाती है कि प्रत्येक व्यक्ति सम्मान का अधिकारी है। प्रकृति ही हमें शालीनता का सुंदर पाठ पढ़ाती है। फूल अपनी खुशबू का प्रचार नहीं करता। पेड़ यह पूछे बिना छाया देता है कि उसके नीचे कौन बैठेगा। नदी निरंतर बहती रहती है और जीवन का असाधारण देती है। प्रकृति की सुंदरता अक्सर दिखावे के बजाय उसकी सरलता, उपयोगिता और निस्वार्थता में दिखाई देती है। मनुष्य भी इससे सीख सकता है। सबसे शालीन लोग अक्सर वे होते हैं जो प्रशंसा की अपेक्षा किए बिना सेवा करते हैं। विद्यार्थियों का धैर्यपूर्वक मार्गदर्शन

करने वाले शिक्षक, अपने बच्चों के लिए त्याग करने वाले माता-पिता, मरीजों की सेवा करने वाले चिकित्सक, कठिन कार्य ईमानदारी से करने वाले श्रमिक और अनजान लोगों की सहायता करने वाले स्वयंसेवक—ये सभी ऐसी सुंदरता का उदाहरण हैं जिसे आईना नहीं दिखा सकता। शालीनता का संबंध कृतज्ञता से भी गहरा है। कृतज्ञ व्यक्ति अपने आसपास के लोगों और जीवन में मिले अवसरों के महत्व को समझता है। कृतज्ञता अनावश्यक तुलना को कम करती है और हमारे पास मौजूद चीजों की सराहना करना सिखाती है। यह सामान्य क्षणों को भी अर्थपूर्ण अनुभवों में बदल सकती है। शालीनता का एक महत्वपूर्ण पक्ष क्षमा करने की क्षमता भी है। क्षमा करने का अर्थ अन्याय को भूल जाना या गलत व्यवहार को स्वीकार कर लेना नहीं है। इसका अर्थ है कि हम क्रोध और द्वेष को अपने जीवन पर नियंत्रण न करने दें।

कई बार किसी चोट का सबसे शक्तिशाली उत्तर गरिमा के साथ आगे बढ़ना होता है। रिशतों में शालीनता विश्वास पैदा करती है। एक शालीन व्यक्ति निर्णय देने से पहले सुनता है, दूसरों को अपनी बात समझाने का अवसर देता है और यह समझता है कि हर इंसान से गलतियाँ हो सकती हैं। ऐसा व्यवहार परिवारों, मित्रताओं और समुदायों को मजबूत बनाता है। डिजिटल युग में यह सीख और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ऑनलाइन संवाद तेज होता है, लेकिन उसमें आमने-सामने की बातचीत जैसी गर्मजोशी और भावनात्मक समझ हमेशा नहीं होती। एक लापरवाह टिप्पणी कुछ ही सेकंड में

किसी को आहत कर सकती है। डिजिटल दुनिया में शालीनता का अर्थ है—पोस्ट करने से पहले सोचना, असहमति को सम्मानपूर्वक व्यक्त करना और यह याद रखना कि स्क्रीन के पीछे भी एक इंसान मौजूद है। शालीनता का अर्थ अपनी अपूर्णताओं के साथ सहज होना भी है। कोई व्यक्ति, परिवार या जीवन पूर्ण नहीं होता। अपनी कमियों को स्वीकार करने का अर्थ सुधार की इच्छा छोड़ देना नहीं है। इसका अर्थ यह समझना है कि पूर्ण दिखने का दिखावा करने से अधिक महत्वपूर्ण निरंतर विकास करना है। शायद सुंदरता का सबसे महान रूप यह है कि हम दूसरों को उनके महत्व का एहसास करा सकें। एक स्नेहपूर्ण

मुस्कान किसी का दिन बेहतर बना सकती है। कुछ प्रोत्साहन भरे शब्द किसी का आत्मविश्वास लौटा सकते हैं। मदद का एक हाथ किसी के कठिन समय को आसान बना सकता है। ऐसी सुंदरता तस्वीरों में दिखाई नहीं देती, लेकिन स्मृतियों में हमेशा जीवित रहती है। सुंदरता ध्यान आकर्षित करती है, लेकिन शालीनता सम्मान अर्जित करती है। सुंदरता हमें कुछ क्षणों के लिए प्रभावित कर सकती है, लेकिन शालीनता वर्षों तक हमारे जीवन को प्रभावित कर सकती है। बाहरी रूप किसी दरवाजे को खोल सकता है, लेकिन चरित्र यह तय करता है कि उस

दरवाजे के भीतर क्या होता है। अंततः जीवन को केवल इस बात के लिए याद नहीं किया जाता कि हम कैसे दिखते थे। हमें इस बात के लिए याद किया जाता है कि हमारा व्यवहार कैसा था, हमने किसकी सहायता की, हमने कितनी दया बाँटी और हमारे कारण दूसरों ने स्वयं को कैसा महसूस किया। सुंदरता से परे शालीनता है—वह शांत शक्ति जो चरित्र को गरिमा, रिशतों को गर्माहट और जीवन को अर्थ देती है। सच्ची सुंदरता आँखों को आकर्षित कर सकती है, लेकिन शालीनता दिल को छूती है। डॉ. विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य। प्रख्यात गणितज्ञ

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

स्मार्ट सिटी में पानी का संकट: पाइप बिछे, मीटर लगे, फिर भी नलों में नहीं आया पानी



गोपबंधुपाली और टिंबर कॉलोनी की बस्तियों में पेयजल के लिए भटक रहे हजारों लोग, निजी बोरवेल से पानी खरीदने को मजबूर होने का आरोप रिपोर्ट ड राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला।

स्मार्ट सिटी राउरकेला में आधुनिक जलापूर्ति व्यवस्था के दावों के बीच गोपबंधुपाली और टिंबर कॉलोनी की बस्तियों में पेयजल संकट ने व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्ष 2022 में पाइपलाइन बिछाई गई और 2024 में पानी के मीटर भी लगा दिए गए, लेकिन कई इलाकों में नियमित पेयजल आपूर्ति आज तक शुरू नहीं हो सकी।

वार्ड संख्या 22, 23 और 24 के अंतर्गत आने वाली करीब 20 छोटी-बड़ी बस्तियों में पांच हजार से अधिक आबादी के सामने पानी की समस्या बताई जा रही है। गोपबंधुपाली, विवेकानंदपल्ली, राजीव बस्ती, रिमझिम बस्ती तथा ऊपर-नीचे इंदिरानगर में स्थिति अधिक गंभीर होने का दावा स्थानीय निवासियों ने किया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कहीं

राउरकेला में जलापूर्ति सुधार के लिए AMRUT 2.0 के तहत भी कई परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें विंतरण नेटवर्क और 24x7 'ड्रिंक वॉटर टैप' व्यवस्था से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

ऐसे में सवाल सिर्फ पानी की उपलब्धता का नहीं, बल्कि पाइपलाइन, मीटर, बिलिंग और वास्तविक जलापूर्ति के बीच मौजूद अंतर का है। WATCO की आधिकारिक व्यवस्था में शिकायत निवारण और मीटर रीडिंग जैसी सेवाओं का प्रावधान है।

स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन तत्काल क्षेत्र का भौतिक सत्यापन कराए, बंद पड़ी पाइपलाइनों को चालू करे और निजी स्तर पर पानी बेचने की शिकायतों की जांच करे। स्मार्ट सिटी की पहचान केवल सड़कों और परियोजनाओं से नहीं, बल्कि हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचने से तय होगी।

परिवहन विशेष

Smart City me Paani ka Sankat: Pipe Bichhe, Meter Lage, Phir Bhi Nalon Me Nahi Aaya Paani

Gopabandhupali aur Timber Colony me 5000 log bhutak rahe — Ward 22, 23, 24 mein jal sankat gambhir

KEY FINDINGS • ROURKELA SMART CITY WATER CRISIS

AFFECTED AREA
Ward 22 • 23 • 24
20 Bastis Impacted
~5000 Residents Struggling

TOTAL CONNECTIONS
50,070 Connections Listed Under AMRUT 2.0 Scheme

BILLING WITHOUT WATER
Residents Receiving Monthly Water Bills Despite No Supply

ONGOING PROTEST
Locals Demand Action from Municipal Authority

REPORT: Dr Rajkumar Yadav | INVESTIGATIVE BUREAU | PRESENTER: Sanjay Kumar Bathia (संजय कुमार बाथिया) • Chief Editor, Parivahan Vishesh

ROURKELA • ODISHA | SMART CITY MISSION FAILS TO DELIVER WATER TO THOUSANDS — RESIDENTS FORCED TO BUY PRIVATE WATER AMID BILLING CRISIS

PIPELINE METER INSTALLED ZERO WATER FLOW

प्राइवेट बोरवेल पानी
20 लीटर ₹20 | टैंकर पानी उमलवा

बिना पानी बिल क्यों?
AMRUT 2.0 विफल!

Locals stage protest demanding immediate water supply restoration, allege billing for non-existent water service

PRIVATE BOREWELL WATER SELLING • ₹20/20L DUE TO NO MUNICIPAL SUPPLY

जंगल की सुरक्षा और अवैध खनिज परिवहन पर वन विभाग का शिकंजा

पांच महीनों में पांच भारी वाहन और एक जेसीबी जब्त, अवैध लौह अयस्क परिवहन के मामलों में तीन गिरफ्तार

रिपोर्ट ड राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र बणई/कोड़ड़ा,

वन संपदा की सुरक्षा तथा जंगल क्षेत्रों से होने वाले अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए बणई वनखंड ने कार्रवाई तेज कर दी है। बणई वनखंड कार्यालय सभागार में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में वनखंड अधिकारी यशवंत सेठी ने पिछले पांच महीनों में की गई कार्रवाई का ब्योरा साझा किया। उन्होंने बताया कि कोड़ड़ा वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगल इलाकों में अवैध खनिज परिवहन रोकने के लिए विशेष निगरानी और गश्त बढ़ाई गई है।

जाने का मामला सामने आया। इस मामले में केन्दुझर जिले के बड़बिल क्षेत्र निवासी विकास टांडी (32) तथा पटाबेड़ा, सुंदरगढ़ निवासी साधुचरण काला (18) के खिलाफ वन अपराध मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की गई।

इसी तरह गोनूआ पीआरएफ क्षेत्र में एक अन्य ट्रक से अवैध लौह अयस्क परिवहन का मामला सामने आया, जिसमें चरण गोप (33) को गिरफ्तार किया गया। विभाग ने एक अन्य अभियान में करीब 11.680 मीट्रिक टन अवैध लौह अयस्क से लदे वाहन तथा खनन गतिविधि में

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर राउरकेला लौटे शिलानंद लकड़ा, भव्य स्वागत से गुंजा शहर

भारतीय हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत के नायक का सेक्टर-2 में अभिनंदन, खुले वाहन में निकली स्वागत यात्रा; शिलानंद बोले—लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी और कड़ी मेहनत जरूरी

रिपोर्ट ड राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला,

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्वर्णिम प्रदर्शन के बाद राउरकेला के स्टार हॉकी खिलाड़ी शिलानंद लकड़ा मंगलवार को अपने गृहनगर पहुंचे। भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक सफलता के साथ 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भी भारत ने अपनी जगह पक्की कर ली है। शिलानंद के राउरकेला पहुंचते ही खेलप्रेमियों और विभिन्न संगठनों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

भुवनेश्वर पहुंचने पर शिलानंद लकड़ा और ओडिशा के एक अन्य प्रमुख हॉकी खिलाड़ी अमित रोहिदास का कालिंगा स्टेडियम में खेल मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने अभिनंदन किया। इस अवसर पर खेल एवं युवा सेवा विभाग के

विशेष सचिव अशोक कुमार पांडा, अतिरिक्त सचिव विजय कुमार स्वाई, विभागीय अधिकारी तथा ओडिशा हॉकी संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके बाद शिलानंद के राउरकेला पहुंचने पर सेक्टर-2 चौक में उनके स्वागत और सम्मान के लिए विशेष कार्यक्रम

आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों, युवाओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद शिलानंद को खुले वाहन में बैठाकर जुलूस के रूप में उनके आवास तक ले जाया गया। रास्ते भर लोगों ने तालियों और नारों के साथ अपने चहेते खिलाड़ी

का उत्साह बढ़ाया। स्वागत से अभिभूत शिलानंद ने कहा कि एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक पूरे देश और ओडिशा के लिए गौरव का विषय है, लेकिन यह मंजिल नहीं है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन के लिए टीम को अब और अधिक अनुशासन, मेहनत और

निरंतर अभ्यास की जरूरत होगी। राउरकेला की धरती से निकलकर भारतीय हॉकी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित करने वाले शिलानंद का यह स्वागत शहर की हॉकी संस्कृति और खेल प्रतिभाओं के प्रति लोगों के गहरे जुड़ाव का भी प्रतीक बना।

ऐसा भी होता है, गुप्त दान

भूपेंद्र सारस्वत 'सारथी' स्वतंत्र लेखक व विचारक

“इस लिफाफे को तब खोलना, जब वे सभी बच्चे एक साथ मौजूद हों।”

“जिस बुझुरंग सफाईकर्मी को पूरे शहर ने पच्चीस साल तक कूड़ा उठाते देखा, उसकी मौत के बाद जब उसकी टूटी साइकिल की टोकरी खोली गई, तो अंदर ऐसा सच मिला, जिसने पूरे शहर को रुला दिया...”

साल 2022

शहर की एक तंग गली में एक बुढ़ा सफाईकर्मी रोज दिखाई देता था। सिर पर पुरानी टोपी, कंधे पर झाड़ू और एक जंग लगी साइकिल। लोग उसे दीनू काका कहते थे।

वह सुबह चार बजे निकलता और रात तक गलियों की सफाई करता। कभी किसी से बहस नहीं करता, कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाता और न इनाम की चिंता करता। बस चुपचाप अपना काम करता रहता।

कई बच्चे उसका मजाक उड़ाते थे। कुछ लोग कहते— “इसकी जिंदगी तो झाड़ू उठाते-उठाते ही निकल गई।”

“दीनू काका” बस मुस्कुरा देते।

फिर एक दिन... बरसात की रात में दीनू काका की तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही

उन्होंने दम तोड़ दिया। उनका कोई परिवार नहीं था। कोई बेटा नहीं, कोई बेटी नहीं, कोई रिश्तेदार नहीं। नगर निगम वाले उनका सामान उठाने पहुँचे। एक टूटी चारपाई, कुछ पुराने कपड़े और वह जंग लगी साइकिल। सब कुछ कबाड़ी को देने की तैयारी हो रही थी कि एक कर्मचारी की नजर साइकिल की टोकरी पर पड़ी।

अंदर एक लोहे का छोटा डिब्बा रखा था। ताला तोड़ा गया। डिब्बा खुला और पूरा कमरा सन्न रह गया।

अंदर हजारों रुपये नहीं थे। सोना-चांदी भी नहीं। बल्कि... सैकड़ों पुरानी स्कूल फीस की रसीदें थीं। साथ में बच्चों की तस्वीरें और एक मोटी डायरी।

पहले पन्ने पर लिखा था— “आगर मैं मर चुका हूँ, तो कृपया इन बच्चों को बुला लेना।”

नीचे लगभग अड़सठ बच्चों व संस्थाओं के नाम लिखे थे। पुलिस हैरान थी। ये बच्चे कौन थे? दीनू काका का उनसे क्या रिश्ता था?

डायरी खोली गई। पहले ही पन्ने ने सबको झकझोर दिया। “कोई बाइस साल पहले मेरी एक बेटी थी—खुशबू।”

“वह पढ़ना चाहती थी! डॉक्टर बनाना चाहती थी!”

“लेकिन मेरे पास फीस भरने के पैसे नहीं थे।”

“एक दिन इलाज के अभाव में मेरी बेटी मर गई।”

यह पढ़ते ही कमरे में मौजूद लोगों की आँखें नम हो गईं। डायरी में आगे लिखा था— “उस दिन मैंने फैसला किया

कि मेरी बेटी तो नहीं बची, लेकिन किसी और की बेटी-बेटा सिर्फ पैसों की वजह से अपने सपने नहीं खोएगा।”

फिर एक एक पन्ने पर कहानी खुलती गई। दीनू काका दिन में सफाई करते, रात को होटल में बर्तन धोते, त्योहारों पर अतिरिक्त काम करते और जो भी पैसे बचते, उन्हें गरीब बच्चों की पढ़ाई में लगा देते।

लेकिन कभी अपना नाम सामने नहीं आने देते। किसी न किसी स्कूल या संस्था में “गुप्त दानदाता” बनकर फीस देते। कहीं किताबें भिजवा देते, कहीं हॉस्टल का खर्च उठा लेते।

सालों तक... बिना किसी को बताए! डायरी के आखिरी हिस्से में उन सभी बच्चों की सूची थी। उनके नाम के सामने उनकी वर्तमान पहचान लिखी थी।

कोई डॉक्टर था। कोई वैज्ञानिक। कोई अध्यापक। कोई पुलिस अधिकारी। कोई पायलट। पूरा शहर स्तब्ध था। जिस आदमी को लोग मामूली सफाईकर्मी समझते थे, वह अड़सठ सपनों का निर्माता निकला। लेकिन असली चौकाने वाला सच अभी बाकी था।

“मेरे नाम की मूर्ति मत बनवाना।”

गुप्त दान थे। फिर अगली पंक्ति पढ़ी गई और पूरा हॉल पर पड़ा—

“आगर सच में मेरा सम्मान करना चाहते हो...”

“तो हर साल किसी एक गरीब बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठा लेना।”

“ताकि कोई और गुड़िया सिर्फ गरीबी की वजह से अपने सपने न खो दे।”

हॉल में बैठे अड़सठ लोग सहित सभी फूट-फूटकर रोने लगे। लेकिन पत्र में एक आखिरी पंक्ति बाकी थी—

“याद रखना...”

“दुनिया में सबसे अमीर इंसान वह नहीं होता, जिसके बैंक में सबसे ज्यादा पैसा हो...”

“सबसे अमीर वह होता है, जिसके कारण सबसे ज्यादा लोगों के सपने पूरे हुए हों।”

पत्र समाप्त हो गया। कुछ न कुछ कोई अपनी सीट से नहीं उठा। उस दिन सभी अड़सठ लोगों ने मिलकर एक ट्रस्ट बनाया और पहले ही साल पॉच सौ गरीब बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी उठा ली।

आज उस ट्रस्ट से हजारों बच्चे पढ़ रहे हैं। लेकिन ट्रस्ट के दरवाजे पर सिर्फ एक वाक्य लिखा है—

“एक सफाईकर्मी की बेटी का अश्रु सपना, हजारों बच्चों का भविष्य बन गया।”

और शायद यही इस कहानी का सबसे बड़ा सच है—

कभी किसी इंसान की हैसियत उसके कपड़ों, नौकरी या जेब से मत आँकिए... क्योंकि कई बार सबसे साधारण दिखने वाले लोग ही

NCPTSD 2026 का समापन: विज्ञान आधारित नवाचार और सतत विकास पर जोर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर 2026: भौतिकी में नवाचार और उद्यमिता की व्यापक संभावनाओं को रेखांकित करते हुए हंसराज कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रमा ने कहा कि “Physics से maximum startups निकल सकते हैं।” उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि National Conference on Physics, Technology and Sustainable Development 2026 (NCPTSD 2026) युवा शोधकर्ताओं के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा भौतिकी और प्रौद्योगिकी को सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हंसराज कॉलेज, श्री अरविंदो कॉलेज और कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का 5 अक्टूबर को समापन हुआ। 3 से 5 अक्टूबर तक हाइब्रिड मोड में आयोजित सम्मेलन में देशभर से 350 से अधिक शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। IITs, NITs, DTU, NSUT और दिल्ली विश्वविद्यालय सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में सहभागिता की।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। सम्मेलन के सह-अध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने सम्मेलन का परिचय प्रस्तुत करते हुए इसके उद्देश्यों और अंतर्विषयक वैज्ञानिक संवाद की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कालिंदी कॉलेज की प्राचार्य प्रो. मीना चरंदा सहित अनेक शिक्षाविद, गणमान्य अतिथि एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

3 अक्टूबर को आयोजित उद्घाटन सत्र के दौरान सम्मेलन में प्रस्तुत शोध कार्यों का संकलन 'Book of Abstracts' भी गणमान्य अतिथियों

एवं मंचासीन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जारी किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. आशुतोष भारद्वाज ने समकालीन सामाजिक चुनौतियों के समाधान में वैज्ञानिक ज्ञान, नवाचार और तकनीकी प्रगति की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने अनुसंधान को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप आगे बढ़ाने तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मानित अतिथि प्रो. अजय के. घटक ने युवा शोधकर्ताओं को जिज्ञासा, वैज्ञानिक अनुशासन और उत्कृष्ट अनुसंधान की संस्कृति विकसित करने के लिए प्रेरित किया। श्री अरविंदो कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण चौधरी ने भौतिकी को जीवन और समाज से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, “Physics ko apne jeevan me utarna aur physics ko jeena hi conference ko sarthak banata hai.” उन्होंने कहा कि अनुसंधान का उद्देश्य वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान और सामाजिक रूप से उपयोगी

नवाचार को बढ़ावा देना होना चाहिए। सम्मेलन में लगभग 250 मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ हुईं। इनमें न्यूक्लियर एवं हाई-एनर्जी फिजिक्स, क्वांटम साइंस, एस्ट्रोफिजिक्स, फोटोनिक्स, नैनो टेक्नोलॉजी, उन्नत पदार्थ विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोमेडिकल अनुप्रयोग, नवीकरणीय ऊर्जा, सतत तकनीक, भौतिकी शिक्षा और फिजिक्स-इंडस्ट्री इंटरफेस जैसे विषय प्रमुख रहे। सम्मेलन का आयोजन श्री अरविंदो कॉलेज की डॉ. पूनम जैन और कालिंदी कॉलेज की डॉ. सविता शर्मा ने किया। हंसराज कॉलेज के प्रो. सुशील कुमार भी सम्मेलन के संयोजक रहे। सम्मान सत्र में प्रो. सुशील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों, प्रतिनिधियों, प्रतिभागियों, प्रायोजकों और आयोजन टीमों के प्रति आभार व्यक्त किया।

NCPTSD 2026 का समापन वैज्ञानिक सहयोग, अनुसंधान की उत्कृष्टता, नवाचार और सतत तकनीकी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

